THE COMPOST COLLECTIVE

वर्म फार्मिंग (कीड़ों की खेती)

शुरू करना

वर्म फार्मिंग (कीड़ों की खेती) में लिए टाइगर कीड़ों जैसे खाद बनाने वाले कीड़ों का उपयोग किया जाता है जो खाने के बचे हुए टुकड़ों, बगीचे के कूड़े, रद्दी कागज और गत्तों जैसे मिश्रण को खाकर उसकी खाद बनाते हैं। ठोस (कास्टिंग या कीड़ों का मल) और तरल पदार्थ (वर्म टी) दोनों ही बगीचे के लिए बहुत ही उत्तम खाद होते हैं। वर्म फार्म (कीड़ों का खेत) की देखभाल करना मुश्किल नहीं है। इसके लिए मुख्य बात यह है कि:

- कीड़ों को दिए जाने वाले भोजन की मात्रा उनकी आबादी से मेल करके उसके बराबर मात्रा में दें
- कीड़ों को जो चीजें खाना पसंद नहीं है वो चीजें उन्हें मत खिलाएं।
- कीड़ों को हरी और भूरी दोनों रंग की चीजें सही अनुपात में खिलाएं।

अपने कीड़ों को क्या खिलाएं

हरी चीजें – 70%

ऑर्गेनिक (जैविक) कूड़ा जो कि नाइट्रोजन से भरपूर है। कुछ भी नरम, ताजा और सीला। शामिल करें:

- ताज़ा फलों और सब्जियों का कचरा और छिलके
- कॉफी ग्राउंड्स (काफी बनाने के बाद बचा पाउडर) और इस्तेमाल के बाद बचे चाय के बैग
- अंडों के छिलके
- खरगोश और गिनी सूअर जैसे जानवरों द्वारा बनाई गई खाद

भूरे रंग की चाजें – 30%

ऑर्गेनिक (जैविक) कूड़ा जो कि मुख्य रूप से कार्बन है। कोई भी ऐसी चीज जो सूखी, भूरी और भुरभुरी है। शामिल करें:

- काटा या टुकड़े-टुकड़े किया हुआ कागज
- फाड़े हुए, गीले गत्ते जैसे कि अंडों के डिब्बे या टॉयलेट रोल
- पतझड़ के मौसम में गिरे हुए पत्ते

EcoMatters

Kaipātiki Project
share in nature's revival

Auckland Council
Te Kaunihera o Tāmaki Makaurau

वर्म फार्मिंग (कीड़ों की खेती)

शुरू करना

एक धूप से सुरक्षित जगह को चुनें। अपने वर्म फार्म को एक सीली, अच्छी तरह से शुष्क नारियल फाइबर (रेशा), फटे हुए गत्ते या खाद की परत का बिस्तर बनाएं और फिर उसमें अपने कीड़ों को छोड़ दें।

फीडिंग (खिलाना)

कीड़े हर रोज अपने स्वयं के वजन के बराबर खा सकते हैं इसलिए सावधानी बरतें कि आप उन्हें जरूरत से ज्यादा न खिलाएं। पहले हर 1-2 दिन में एक थोड़ी मात्रा के साथ शुरू करें और जिस चीज पर फफूंदी आ गई हो उसे हटा दें। पहले के 6 महीनों में धीरे-धीरे खाने की मात्रा को बढ़ा दें। कीड़ों की आबादी अनुपात में बढ़ जाएगी और एक ऐसी हद तक पहुंच जाएगी जहां वे जल्दी ही उस सारे भोजन को खाने लगेंगे जो आप उन्हें देते हैं।

देखभाल करना

कीड़ों को हवा और नमी दोनों की जरूरत होती है इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका वर्म फार्म सीला लेकिन अच्छी तरह से सूखा हो। अगर उसमें नल हो तो, वर्म टी (कीड़ों द्वारा बनाया तरल पदार्थ) को इकट्ठा करने के लिए उसके नीचे एक बाल्टी रख कर नल को खुला छोड़ दें। अपने वर्म फार्म को वातित या हवादार बनाए रखने और pH संतुलन बनाए रखने के लिए उसे बगीचे के कांटे से कुरेदने और उसमें फाड़े हुए अंडों के डिब्बों के रूप में भूरे रंग की चाजों को शामिल करने से मदद मिलेगी।

उन्हें क्या नहीं खिलाना चाहिए

कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें आपको चाहिए कि अपने कीड़ों को न खिलायें। इनमें शामिल हैं:

- मसालेदार भोजन जैसे कि मिर्च, प्याज और लहसुन
- माँस और दूध से बनी चीजें
- खट्टे या अम्लीय खाने की चीजें
- पकाया या प्रोसेस किया गया भोजन जैसे कि ब्रेड और पास्ता
- तेल और सूप जैसे तरल पदार्थ
- कुत्ता और बिल्ली का मल

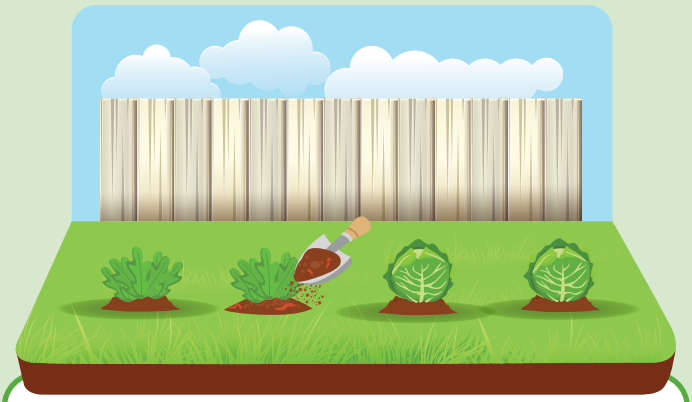

हार्वेस्ट (फसल) का समय

वर्म कास्टिंग्स (कीड़ो द्वारा पीछे छोड़ा गया ठोस मल)

कास्टिंग तब फसल (यानि इस्तेमाल) के लिए तैयार होती है जब वर्म फार्म की निचली परत से मिट्टी की गंध आने लगती है और वह एक बारीक खाद की तरह दिखाई देने लगती है। ऐसे समय केवल थोड़े-बहुत कीड़ों को ही देखा जा सकता है। कास्टिंग को अपने बगीचे की क्यारियों में फैलायें या फिर दस हिस्से पानी में एक हिस्सा कास्टिंग डालें, अच्छी तरह से हिला लें और इस पिघली हुई कास्टिंग को अपने पौधों की जड़ों के आसपास डाल दें।

वर्म टी (कीड़ों द्वारा बनाया तरल पदार्थ)

तरल पदार्थ को हमेशा बिना रोक-टोक के एक अलग बाल्टी में बहने दें। बगीचे में इस्तेमाल के लिए यह सबसे अच्छा होगा कि तरल पदार्थ में पानी डाल कर उसे हल्की काली रंग की चाय जैसा बना लें। एक पौष्टिक खाद के रूप में पौधे की जड़ों के आसपास नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें।

वर्म फार्म (कीड़ों के खेत) दो प्रकार के होते हैं

स्टैक्ड (एक दूसरे के ऊपर रखे जाने वाले)

इन्हें अलग-अलग परतों में बांटा जाता है। इसमें तरल पदार्थ को इकट्ठा करने के लिए एक सम्प (हौदी) होती है और एक-दूसरे के ऊपर रखी दो फीडर ट्रे होती हैं जिन्हें समय-समय पर घुमाया जाता है। जब ऊपरी परत दो तिहाई भर जाती है तो बीच की परत को इस्तेमाल के लिए निकाला जाता है।

कन्टिन्यूअस फ्लो (सतत प्रवाह या लगातार बहाव)

यह खुले हुए छेद वाला एक बरतन है जिसमें कीड़े रखे जाते हैं। आप बस उपरी हिस्से से उन्हें खिलाएं और तले पर खुली जगह से उसे हार्वेस्ट करें यानि निकाल लें।